प्रधानमंत्री 660-660 मेगावॉट की 5 पावर प्लांट की 6 इकाइयों का लोकार्पण करेंगे, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मोदी आज कानपुर से प्रदेश को देंगे 47 हजार करोड़ की सौगात

17 परियोजनाओं का का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे प्रधानमंत्री, जनसभा को भी संबोधित करेंगे

5,269 मेगावाट थी इससे पहले उत्पादन क्षमता

दौरा

- सीएसए विवि में करेंगे जनसभा, अंडरग्राउंड मेट्रो व सात पावर प्लांट का करेंगे शुभारंभ
- एसपीजी के निर्देश पर मिलने वालों की होगी कोविड जांच

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को शहर में रहेंगे। सवा दो घंटे की यात्रा के दौरान पीएम मोदी कानपुर समेत प्रदेश को 47,600 करोड़ की सौगातें देंगे। इसमें कानपुर में अंडरग्राउंड मेट्रो से लेकर पनकी व घाटमपुर के पावर प्लांट के अलावा सोनभद्र, बुलंदशहर व एटा के पावर प्लांट भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में 4000 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार दोपहर 2:10 बजे विशेष विमान से बिहार से चकेरी एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां प्रधानमंत्री करीब 30 लोगों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना होंगे।

दोपहर 2:35 बजे चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के हेलीपैड पर उतरेंगे और विवि के मैदान में बने जनसभा स्थल के लिए रवाना होंगे। दोपहर 2:45 से 3:45 बजे तक करीब एक घंटे के दौरान पीएम जनसभा करने के साथ ही 47 हजार करोड़ की 17 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे।

इसमें कानपुर के अलावा ग्रेटर नोएडा, एटा, बुलंदशहर व सोनभद्र की योजनाएं भी शामिल हैं। सुरक्षा को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम एसपीजी के निर्देश पर चकेरी एयरपोर्ट और सीएसए हेलीपैड पर प्रधानमंत्री से मिलने वाले लोगों की कोविड जांच करेगी।

बिजली उत्पादन में यूपी तीसरे पायदान पर

लखनऊ, विशेष संवाददाता। बिजली उत्पादन में उत्तर प्रदेश अब अपनी क्षमता 9,229 मेगावॉट पहुंचा चुका है। इसके साथ ही राज्य अब बिजली उत्पादन क्षमता के मामले में देश में तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री शुक्रवार को कानपुर में उत्तर प्रदेश की 5 विद्युत परियोजनाओं की 6 इकाइयों का लोकार्पण करेंगे। सभी इकाइयों की क्षमता 660-660 मेगावॉट है। राज्य विद्युत उत्पादन निगम से मिली जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री पनकी, घाटमपुर, जवाहरपुर (2), ओबरा सी और खुर्जा की विद्युत उत्पादन इकाई का लोकार्पण करेंगे।

वर्ष 2014 में प्रदेश की खुद की विद्युत उत्पादन क्षमता पांच हजार मेगावॉट थी। तब बिजली की अधिकतम मांग का आंकड़ा भी 12 हजार मेगावॉट के भीतर था। अब स्थितियां काफी बदल चुकी हैं। बिजली की अधिकतम मांग का आंकड़ा पिछले साल 30 हजार मेगावॉट पार कर गया था और इस बार इसके 33 हजार मेगावॉट पहुंचने की उम्मीद है। बिजली की बढ़ती मांग के साथ ही प्रदेश सरकार भी बिजली की उत्पादन इकाइयों की क्षमता विस्तार में जुट गई है। निजी घरानों के साथ बिजली उत्पादन के लिए करार हो रहे हैं तो प्रदेश खुद की भी उत्पादन क्षमता में इजाफा कर रहा है।

ऐसे पहुंचा आंकड़ा नौ हजार मेगावॉट के पार

8455.00	मेगावॉट कोयले से बिजली
724.10	मेगावॉट जल विद्युत
50.60	मेगावॉट सौर ऊर्जा

राज्यवार बिजली उत्पादन क्षमता

महाराष्ट्र	14,112	मेगावॉट
तेलंगाना	9,563	मेगावॉट
उत्तर प्रदेश	9,229	मेगावॉट
कर्नाटक	9,219	मेगावॉट
राजस्थान	8,890	मेगावॉट
आंध्र प्रदेश	8,576	मेगावॉट
गुजरात	8313	मेगावॉट

महाराष्ट्र और तेलंगाना अव्वल

प्रदेश की अपने संसाधनों से विद्युत उत्पादन की क्षमता 9,229 मेगावॉट है। इस मामले में वह देश में केवल महाराष्ट्र और तेलंगाना से ही पीछे है। वहीं, शीर्ष पांच विद्युत उत्पादन क्षमता वाले राज्यों में कर्नाटक और राजस्थान भी शामिल हैं।